Bl – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला मसीहा होने से इनकार करता है
युहोना १:१९-२८ | 1

– Save This Page as a PDF–

युहोना बप्तिस्मा देनेबाला मसीहा होने से इनकार करता है

युहोना १:१९-२८

खोदाई: यहूदियों ने जॉन से क्यों पूछा कि क्या वह एलिय्याह है? उन्होंने किस भविष्यवक्ता का उल्लेख किया? इन प्रश्नों से क्या पता चलता है कि इन्हें क्यों भेजा गया था? योचानन ने मंदिर की बजाय जंगल में क्यों चिल्लाया? आपको क्या लगता है जॉन इतनी अचानक प्रतिक्रिया क्यों देता है? जीवन में उनका लक्ष्य क्या था?

विचार करें: जीवन में आपका लक्ष्य क्या है? क्या आपने कभी अपने विश्वास के कारण बहिष्कृत महसूस किया है? योचनान ने सच बोला और उस तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचने के लिए साहसपूर्वक अपनी दुनिया से अलग खड़ा हो गया (यूहन्ना 17:15-18)। आपके पास भी ऐसा ही करने के क्या अवसर हैं? क्या आपने बपतिस्मा लिया है? क्यों या क्यों नहीं?

इन छंदों के साथ प्रेरित प्रेरित युहोन्ना अपने सुसमाचार का विवरण शुरू करते हैं। उसने हमें पहले ही दिखा दिया है कि वह क्या करने का इरादा रखता है (देखें Af
– ईश्वर के मेम्ने); वह यह प्रदर्शित करने के लिए लिख रहा है कि मेमरा (शब्द) इस दुनिया में आया है। अपने केंद्रीय विचार को स्थापित करने के बाद, वह अब ईसा मसीह के जीवन की कहानी शुरू करता है।

समय के ब्योरे के बारे में योचनान जितना सावधान कोई नहीं है। इन छंदों से शुरू करके २:११ तक वह हमें कदम दर कदम यीशु के सार्वजनिक जीवन के पहले महत्वपूर्ण सप्ताह की कहानी बताते हैं। पहले दिन की घटनाएँ यहाँ यूहन्ना १:१९-२८ में हैं; दूसरे दिन की कथा १:२९-३४ है; तीसरा दिन १:३५-३९ में सामने आया है। तीन श्लोक १:४०-४२ चौथे दिन की कहानी बताते हैं; पाँचवें दिन की घटनाएँ १:४३-५१ में बताई गई हैं। छठा दिन किसी कारण से दर्ज नहीं किया गया है। और सप्ताह के सातवें दिन की घटनाएँ २:१-११. में बताई गई हैं |

अवलोकन का पहला चरण समाप्त हो गया था (देखें Bf – तुम सांप के बच्चे, किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने की चेतावनी दी)। फरीसियों और सदूकियों ने सैन्हेड्रिन को वापस रिपोर्ट की थी (देखें Lg – महान सैनहेड्रिन) और सभी सहमत थे कि युहोन्ना का आंदोलन महत्वपूर्ण था। लेकिन क्या वह मेशियाच था? यही वह प्रश्न था जिसका उत्तर दिया जाना आवश्यक था। हालाँकि, यह पूछताछ के दूसरे चरण में निर्धारित किया

Bl – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला मसीहा होने से इनकार करता है
युहोना १:१९-२८ | 2

जाएगा। इसलिए, एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भेजा गया ताकि वे उनसे प्रश्न पूछ सकें।

पहला दिन: अब यह जॉन की गवाही थी जब यरूशलेम में अविश्वासी यहूदियों (ग्रीक: इउडाओई), या यहूदी नेताओं ने याजकों और लेवियों को उससे पूछने के लिए भेजा था कि वह कौन है (योचनान १:१९)। वह अपने समय के फरीसी यहूदी धर्म से बाहर था। उसे रब्बियों के स्कूलों में प्रशिक्षित नहीं किया गया था, उसने मंदिर में कोई सम्माननीय पद नहीं संभाला था, और उसकी पहचान फरीसियों, सदूकियों या हेरोडियनों से नहीं की गई थी। वह धार्मिक अभिजात वर्ग के लिए एक अजीब दिखने वाला रहस्य था। यद्यपि बैपटिस्ट एक पुरोहित परिवार से आया था (लूका १:५), वह फरीसी हठधर्मिता के अनुरूप नहीं था। योहोन्ना उनके लिए एक पहेली था।

तो उनके पास कई सवाल थे. उसे अपना अधिकार किससे प्राप्त हुआ? उसे किसी को पश्चाताप करने के लिए कहने का आदेश किसने दिया था? उसने किस अधिकार से बपतिस्मा दिया? योचानान के सुसमाचार में यहूदी (इओडाओई) शब्द सत्तर बार आया है, और वे यहूदी हमेशा यीशु के विरोध में हैं। चापलूसी हमेशा सफलता का अनुसरण करती है, और जब युहोन्ना की प्रसिद्धि चरम पर थी तो अफवाह फैल गई कि वह मसीहा है। यहूदी मसीहा की प्रतीक्षा कर रहे थे और आज तक कर रहे हैं। हालाँकि, बैपटिस्ट ने बार-बार किसी भी मसीहाई दावे का खंडन किया।

बार-बार, मसीहाई ढोंगियों का उदय हुआ और
विद्रोह हुए। येशुआ का दिन एक रोमांचक समय था। इसलिए युहोन्ना से यह पूछना बिल्कुल स्वाभाविक था कि क्या वह मेशियाच होने का दावा करता है। लेकिन उन्होंने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया. योचनान बस इतना ही लिख सकते थे, “और उन्होंने कहा।” इसके बजाय, प्रेरित लेखक रिकॉर्ड करता है, कि वह कबूल करने में असफल नहीं हुआ, लेकिन स्वतंत्र रूप से कबूल किया, “मैं मसीहा नहीं हूं” (यूहन्ना १:२०)। उनके उत्तर को सशक्त सर्वनाम I के प्रयोग से और भी मजबूती मिली। ऐसा लगता है मानो योचनान कह रहा हो, “मैं मसीहा नहीं हूं, लेकिन, यदि आप जानते, तो मसीहा यहां है।”एक मसीह था, लेकिन यह निश्चित रूप से था योचनान नहीं था.

उन्होंने उससे पूछा, “फिर तुम कौन हो? क्या आप एलियाह हैं?” उन्होंने उससे ऐसा क्यों पूछा होगा? रब्बियों ने सिखाया कि मसीहा के आने से पहले, एलिय्याह अपने

Bl – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला मसीहा होने से इनकार करता है
युहोना १:१९-२८ | 3

आगमन की घोषणा करने और इज़राइल को मसीहा साम्राज्य के लिए तैयार करने के लिए वापस आएगा। मलाकी के अंतिम छंद पढ़ते हैं: देखो, मैं अडोनाई के आने वाले महान और भयानक दिन से पहले तुम्हारे पास एलिय्याह भविष्यवक्ता को भेजूंगा। वह पिता के मन को पुत्र की ओर, और पुत्र के मन को उनके पिता की ओर फेर देगा; नहीं तो मैं आऊंगा और देश को पूरी तरह से नष्ट कर दूंगा (मलाखी ४:४-६)।

रब्बियों ने यह भी सिखाया कि एलिय्याह सभी विवादों का समाधान करेगा। वह यह तय कर देता था कि कौन-सी वस्तुएँ और कौन-से लोग शुद्ध और अशुद्ध हैं; वह स्पष्ट कर देगा कि कौन यहूदी थे और कौन यहूदी नहीं; वह उन परिवारों को फिर से एक साथ लाएगा जो अलग हो गए थे। इस्राएलियों को इस बात पर इतना विश्वास था कि पारंपरिक कानून में कहा गया था कि धन और संपत्ति जिसके मालिकों पर विवाद है, या ऐसी कोई भी चीज़ जिसके मालिक अज्ञात हैं, उन्हें “एलियाह के आने तक” इंतजार करना होगा। यह भी माना जाता था कि एलियाहू अपने राजा के पद पर मसीहा का अभिषेक करेगा, जैसा कि सभी राजाओं का अभिषेक किया गया था, और वह मसीहा के साम्राज्य में हिस्सा लेने के लिए मृतकों को जीवित करेगा। हालाँकि, योचनान ने स्वयं एलिय्याह होने से स्पष्ट रूप से इनकार किया। सबसे पहले उन्होंने कबूल किया, ”मैं मसीहा नहीं हूं ।” अब वह केवल तीन शब्दों तक ही सीमित रह गया था, कह रहा था: मैं नहीं हूं (यूहन्ना १:२१a)। जैसे- जैसे बप्तिस्मा देनेबाला उनके सवालों से अधिक अधीर होता गया, उसकी प्रतिक्रियाएँ छोटी होती गईं।

योचनान के इनकार ने तीसरा सवाल खड़ा कर दिया: क्या आप अपेक्षित और वादा किए गए भविष्यवक्ता हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि इस्राएलियों ने मेशियाक के आने से पहले सभी प्रकार के भविष्यवक्ताओं के प्रकट होने की अपेक्षा की थी (मत्ती १६:१४; मरकुस ६:१५; लूका ९:१९)। लेकिन यह विशेष रूप से उस आश्वासन का संदर्भ था जो मोशे ने सिनाई पर्वत के नीचे इस्राएलियों को दिया था, जब उन्होंने कहा था: प्रभु तुम्हारे लिए तुम्हारे बीच से, तुम्हारे ही रिश्तेदारों में से मेरे जैसा एक भविष्यवक्ता खड़ा करेगा। तुम्हें उस पर ध्यान देना है (व्यवस्थाविवरण १८:१५)। वह एक ऐसा वादा था जिसे कोई भी यहूदी कभी नहीं भूला। वे उस भविष्यवक्ता के प्रकट होने की प्रतीक्षा और लालसा करते थे जो सभी में सबसे महान भविष्यवक्ता होगा। अपने पूछताछकर्ताओं के प्रश्नों से अधीर होकर, उसका संक्षिप्त उत्तर था: नहीं (योचनान १:२१b)। उनका धैर्य ख़त्म हो गया और उनकी प्रतिक्रियाएँ पाँच शब्दों से बढ़कर तीन शब्दों और अब एक शब्द तक पहुँच गईं।

इसने युहोन्ना के जिज्ञासुओं को मुश्किल स्थिति में डाल दिया। बप्तिस्मा देनेबाला से उन्हें केवल इनकार का दंश ही मिला था। योचनान उपदेश दे रहा था, जंगल में बड़ी भीड़ खींच रहा था, और बपतिस्मा दे रहा था। उन्हें कुछ अधिक निश्चित चीज़ की आवश्यकता थी जिसे वे अपने साथ वापस ले जा सकें। आख़िरकार हताश होकर, कोई और व्यर्थ सुझाव देने के बजाय, उन्होंने उससे पूछा कि वह अपने बारे में क्या सोचता है। हम केवल उस स्वर की कल्पना कर सकते हैं जिसमें उन्होंने उससे कहा, “तुम कौन

Bl – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला मसीहा होने से इनकार करता है
युहोना १:१९-२८ | 4

हो?” हमें उन लोगों के पास वापस ले जाने के लिए उत्तर दीजिए जिन्होंने हमें भेजा है। आप अपने बारे में क्या कहते हैं (यूहन्ना १:२२)?

बपतिस्मा देने वाले ने यशायाह भविष्यवक्ता के शब्दों में उत्तर दिया, “मैं जंगल में चिल्लाने वाले की आवाज हूं, ‘एडोनाई का मार्ग सीधा करो’ (योचनान १:२३)।” जब जॉन ने खुद को एक आवाज़ के रूप में संदर्भित किया, तो उसने ठीक उसी शब्द का उपयोग किया जो पबित्र आत्मा ने सात सौ साल पहले यशायाह के माध्यम से बोलते समय उसके लिए इस्तेमाल किया था (यशायाह ४०:३)। उद्धरण का मुद्दा यह है कि यह उपदेशक को कोई भी प्रमुखता नहीं देता है। वह एलिय्याह, भविष्यवक्ता या मसीहा की तरह एक महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं था। वह एक आवाज से ज्यादा कुछ नहीं था. इतना ही नहीं, वह एक ऐसी आवाज थे जिसके पास कहने के लिए केवल एक ही बात थी – उनका एक-सूत्री उपदेश था। मसीहा की तलाश करें।

यह दिलचस्प है कि कुमरान समुदाय ने यशायाह के उसी अंश की अलग तरीके से व्याख्या की। वे पीछे हट गए और खुद को अलग कर लिया, और प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए रेगिस्तान में चुपचाप धर्मग्रंथ पढ़ते रहे। उनके संप्रदाय के बाहर के लोगों के साथ जो कुछ भी हुआ, वे मसीहा के आने पर तैयार होंगे। दूसरी ओर, योचनान ने यशायाह के शब्दों को राष्ट्र के लिए एक जागृत आह्वान के रूप में समझा। जॉन को अपनी या अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी चिंता नहीं थी। वह अपने ईश्वर की ओर पीठ आंदोलन के साथ परमेश्वर का रास्ता तैयार करने की कोशिश कर रहा था।

मैं जंगल में चिल्लाने वाली आवाज हूं (योचनन १:२३a)। फिर यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने मन्दिर में चिल्लाकर क्यों नहीं कहा? क्योंकि यहूदी धर्म एक खोखला खोल था। इसमें बाहरी दिखावा था, लेकिन भीतर कोई जान नहीं थी। यह क़ानूनवादियों का देश बन गया था (देखें Ei – मौखिक नियम)। यूहन्ना एक फरीसियों से ग्रस्त राष्ट्र में आया जिसने न तो इब्राहीम के विश्वास का प्रदर्शन किया, न ही अपने कार्यों का निर्माण किया। इसलिए, परमेश्वर का संदेशवाहक उस दिन के धार्मिक दायरे से बाहर प्रकट हुआ, और जंगल यहूदी राष्ट्र की बंजरता का प्रतीक था।

प्रभु का मार्ग सीधा करो (यूहन्ना १:२३b)। एक प्राचीन राजा (बिल्कुल आज के राष्ट्रीय नेता की तरह) बिना किसी योजना के शायद ही कभी किसी क्षेत्र की यात्रा करता था। शहर को तैयार किया जाएगा और मार्ग को ऐसी किसी भी चीज़ से साफ़ कर दिया जाएगा जो उसके रथ को धीमा कर सकती है या यात्रा को अप्रिय बना सकती है। बप्तिस्मा देनेबाला ने खुद को संदेशवाहक कहा, एक व्यक्ति जो राजा के आसन्न आगमन की घोषणा करता था, एक ऐसी आवाज जिसका अपना कोई अधिकार नहीं था। यदि लोगों ने उनके संदेश पर ध्यान देना चुना, तो ऐसा इसलिए होगा क्योंकि वे आने वाले राजा का सम्मान करते थे।

परन्तु जो फरीसी भेजे गए थे, वे एक बात को लेकर असमंजस में थे – यूहन्ना को बपतिस्मा देने का क्या अधिकार था? यदि वह मसीहा, या एलिय्याह, या भविष्यवक्ता

Bl – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला मसीहा होने से इनकार करता है
युहोना १:१९-२८ | 5

होता, तो उसके पास वह अधिकार होता। यशायाह ने लिखा था: इस प्रकार वह बहुत सी जातियों पर छिड़केगा (यशायाह ५२:१५a)। यहेजकेल ने कहा था: मैं तुम पर शुद्ध जल छिड़कूंगा, और तुम शुद्ध हो जाओगे (यहेजकेल ३६:२५)। जकर्याह ने लिखा: जब वह दिन आएगा, तो दाऊद के घराने और येरूशलेम में रहने वाले लोगों को पाप और अशुद्धता से शुद्ध करने के लिए एक झरना खोला जाएगा (जकर्याह १३:१)। लेकिन योचनान को बपतिस्मा क्यों देना चाहिए? परिणामस्वरूप, उन्होंने उससे प्रश्न करते हुए पूछा: यदि आप न तो मसीहा हैं, न एलिय्याह, न ही भविष्यवक्ता (यूहन्ना १:२४-२५) तो आप बपतिस्मा क्यों देते हैं?

जिस बात ने उनके लिए मामले को और अधिक भ्रमित कर दिया वह यह तथ्य था कि बपतिस्मा इस्राएलियों के लिए बिल्कुल भी नहीं था। यह मतांतरित लोग, अन्यजाति थे, जिन्हें बपतिस्मा दिया गया था। क्या वह सुझाव दे रहा था कि परमेश्वर के चुने हुए लोगों को शुद्ध करना होगा? लेकिन बैपटिस्ट का मानना बिल्कुल वैसा ही था। वह यहूदियों को पश्चाताप के बपतिस्मा के लिए बुला रहा था और कह रहा था, “तुम्हारे पाप के कारण, तुम इब्राहीम की यहोवा के साथ की गई वाचा से बाहर हो। तुम्हें एक अन्यजाति की तरह पश्चाताप करना चाहिए और योहोवा के पास आना चाहिए जैसे कि यह पहली बार था।”

इस समय तक यीशु ने चालीस दिन के उपवास और परीक्षा से लौटकर भीड़ के बीच में खड़ा था। युहोन्ना ने उसे पहचान लिया, और फिर येशुआ की महानता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बपतिस्मा के विषय को छोड़ दिया। बपतिस्मा महत्वपूर्ण था, लेकिन यह केवल अंत का एक साधन था। इसका उद्देश्य लोगों को प्रभु की ओर इंगित करना था। युहोन्ना की रुचि मसीहा में थी और किसी चीज़ में नहीं। यूहन्ना ने उत्तर दिया, मैं जल से बपतिस्मा देता हूं, परन्तु तुम्हारे बीच में एक ऐसा खड़ा है जिसे तुम नहीं जानते (यूहन्ना १:२६)। युहोन्ना ने स्वीकार किया कि उसका बपतिस्मा केवल प्रतीकात्मक था और उसने तुरंत चर्चा को पानी के बपतिस्मा से दूर कर दिया – जो मसीहा की ओर इशारा करता था – जिसे वह घोषित करने आया था। वह तो केवल छाया थी, पदार्थ आ गया था।

वह वही है जो मेरे बाद आनेवाला है, मैं उसकी जूतियों के बन्ध खोलने के योग्य भी नहीं (यूहन्ना १:२७)। यहाँ युहोन्ना ने व्यवस्थाविवरण २५:५-६ में चालित्ज़ा समारोह का वर्णन किया है। टोरा निर्देश देता है कि यदि कोई विवाहित व्यक्ति निःसंतान मर जाता है, तो विधवा को अपने मृत पति के भाई से शादी करनी होगी, अधिमानतः सबसे बड़े भाई से। उनके द्वारा पैदा किया गया पहला बेटा मृत पति की वंशावली की अगली कड़ी माना जाता है। इस प्रथा को यिबम या लेविरेट विवाह के नाम से जाना जाता है। साले को यवम कहा जाता है; और विधवा को येवमाह कहा जाता है।

हालाँकि, यदि मृत व्यक्ति का भाई विधवा से शादी नहीं करना चाहता है, या यदि वह उससे शादी नहीं करना चाहती है, तो एक मानक तलाक उनके बंधन को तोड़ने के लिए अपर्याप्त है। इसके बजाय, वे चालित्ज़ह नामक एक प्रक्रिया करते हैं, जिसका अर्थ है हटाना; इस मामले में जीजा का जूता उतारना. चालिट्ज़ा समारोह पूरा होने के बाद

Bl – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला मसीहा होने से इनकार करता है
युहोना १:१९-२८ | 6

ही विधवा किसी और से शादी करने के लिए स्वतंत्र होती है।

विधवा को अपने पति की मृत्यु के बाद चैलिट्ज़ा समारोह के साथ आगे बढ़ने से पहले नब्बे दिन तक इंतजार करना होगा। यह इस आदेश के अनुरूप है कि एक विधवा या तलाकशुदा महिला को पुनर्विवाह करने से पहले तीन महीने तक इंतजार करना होगा, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वह अपने पहले पति से गर्भवती है या नहीं, इस प्रकार बच्चे के पिता की पहचान पर संभावित भ्रम से बचा जा सकता है। चालित्ज़ा के मामले में, तीन महीने की प्रतीक्षा अवधि यह सुनिश्चित करने के लिए है कि क्या चलित्ज़ा समारोह बिल्कुल भी आवश्यक है, क्योंकि यदि महिला गर्भवती है, तो उसका मृत पति निःसंतान नहीं है।

विधवा और मृतक भाई दोनों शहर के स्थानीय बुजुर्गों के सामने पेश होते हैं जिनमें आमतौर पर तीन न्यायाधीश, दो गवाह (जैसा कि आमतौर पर रब्बी की कार्यवाही के दौरान आवश्यक होता है), और विधवा और मृतक का भाई शामिल होते हैं।

यदि वह यह कहता रहे, “मैं उससे विवाह नहीं करना चाहता,” तो उसके भाई की विधवा पुरनियों के सामने उसके पास जाकर चमड़े की पट्टियाँ खोलकर उसकी एक जूती उतार दे। चप्पल अधिकार या स्वामित्व का प्रतीक था और रहेगा। और फिर वह उसके सामने थूकती है और कहती है, “जो आदमी अपने भाई का वंश आगे नहीं बढ़ाता उसके साथ यही किया जाता है।” उस व्यक्ति का वंश इस्राएल में “उसके घराने के नाम से जाना जाएगा जिसकी चप्पल उतारी गई है” (व्यवस्थाविवरण २५:७-१०)।

इसलिए जब बपतिस्मा देने वाले ने कहा, “जो मेरे बाद आता है (मसीहा), वह वही है जिसके जूते की पट्टियाँ मैं खोलने के योग्य नहीं हूँ,” वह अपनी नीच स्थिति की तुलना में मसीहा के अधिकार का उल्लेख कर रहा था। इस तरह उन्होंने मसीहा होने से इनकार कर दिया.

यह सब बेथानी में घटित हुआ, जो न्यायाधीशों ७:२४ में वर्णित बेथ बाराह (मार्ग का घर) के समान है, जॉर्डन के दूसरी ओर, जहां जॉन बपतिस्मा दे रहा था (युहोन्ना १:२८)। इसने यहोशू द्वारा जॉर्डन पार करने का स्मरण कराया। इसलिए, यरूशलेम में बपतिस्मा देने वाले को भ्रष्ट दिखावे से अलग कर दिया गया था, यह उन लोगों के लिए मार्ग का घर था जिन्हें उसने विसर्जित किया था। वे उस छोटे से अवशेष में शामिल हो गए जो प्रभु के लिए तैयार थे (लूका १:१७)। याद करना । . . संदेशवाहक के साथ जो होगा वही राजा के साथ भी होगा।